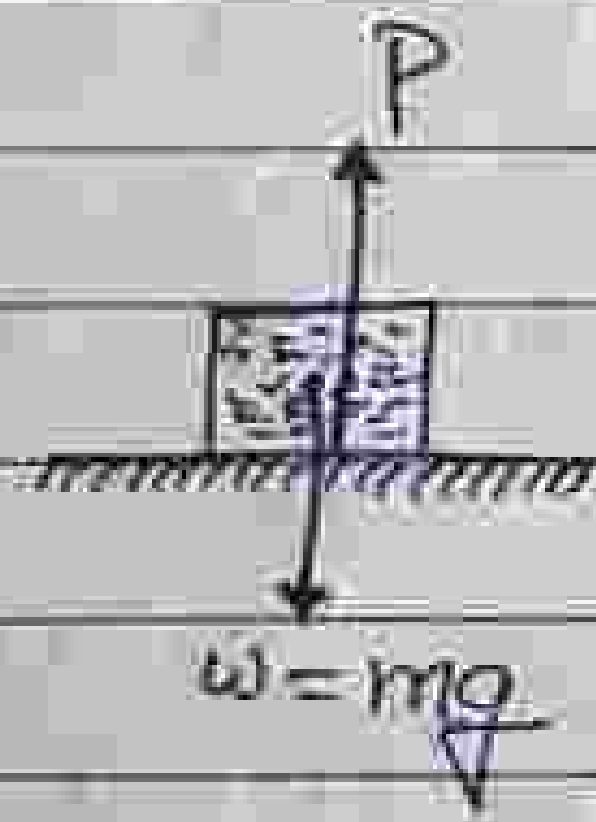


Page:     

पाठ ३४  
घर्षण      (Friction)

→ घर्षण → यदि हम क्षैतिज मेज पर रखी वस्तु को दबेले देते हैं वस्तु थोड़ा चलने के बाद विराम अवस्था में आ जाती है। अतः वस्तु पर कोई ऐसा बल कार्य करता जो मेज पर इसकी गति का विरोध करता है। इस बल को ही घर्षण बल कहते हैं।

नोट यह घर्षण बल वस्तु व मेज के अणुओं के बीच (आपसी) पारस्परिक क्रिया से उत्पन्न होता है।



→ गुटके पर दो बल लगे हैं।

(i) गुटके का भार  $w = mg$  (गुटके के गुरुत्व केन्द्र पर ऊध्वधिर नीचे की ओर)

(ii) मेज द्वारा आरोपित प्रतिक्रिया बल  $P$  (ऊध्वधिर ऊपर की ओर)

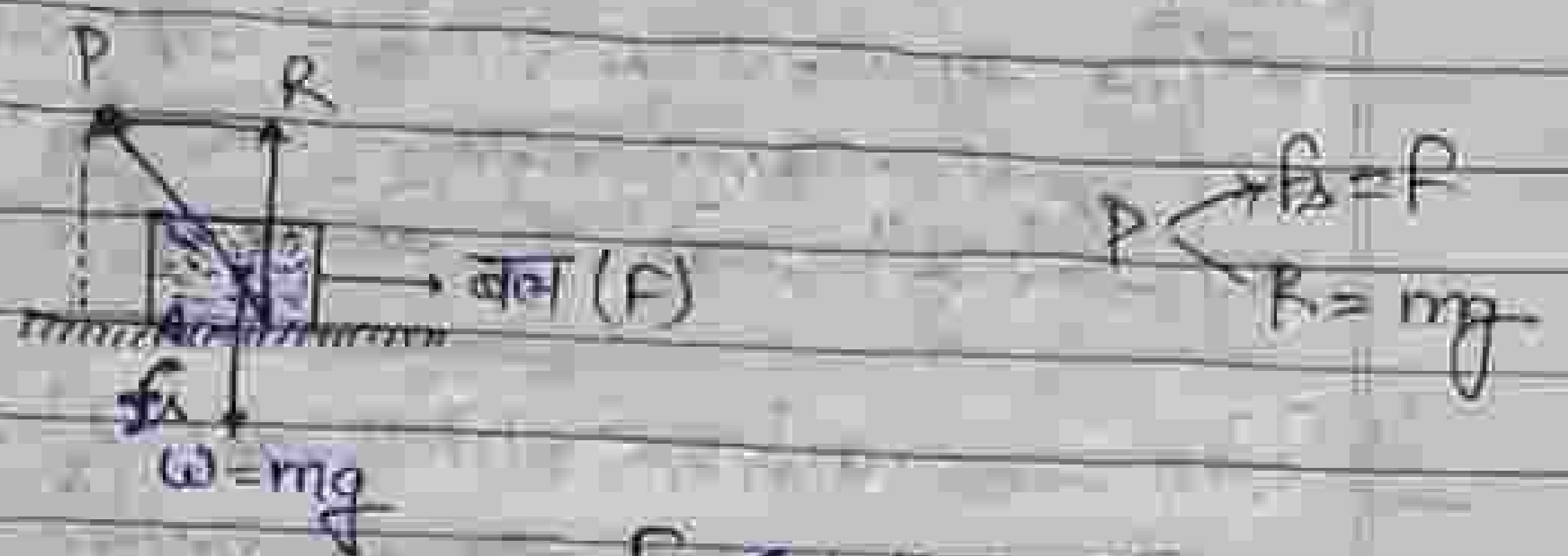
∴ गुटका संतुलन में है।

$$\therefore P = w = mg$$

प्रति स्थैतिक घर्षण बल → यदि क्षैतिज दिशा में एक लघु बल  $F$  गुटके पर दायाँ ओर लगा मान लें तो गुटका अपने स्थान से चलना प्रारम्भ नहीं करता।

बल  $P$  को दो घटकों में विभाजित कर सकते हैं।

$f_s \rightarrow$  Static frictional force.



(i) सम्पर्क तलों के समान्तर घटक ( $f_s \leq \mu_s R$ )

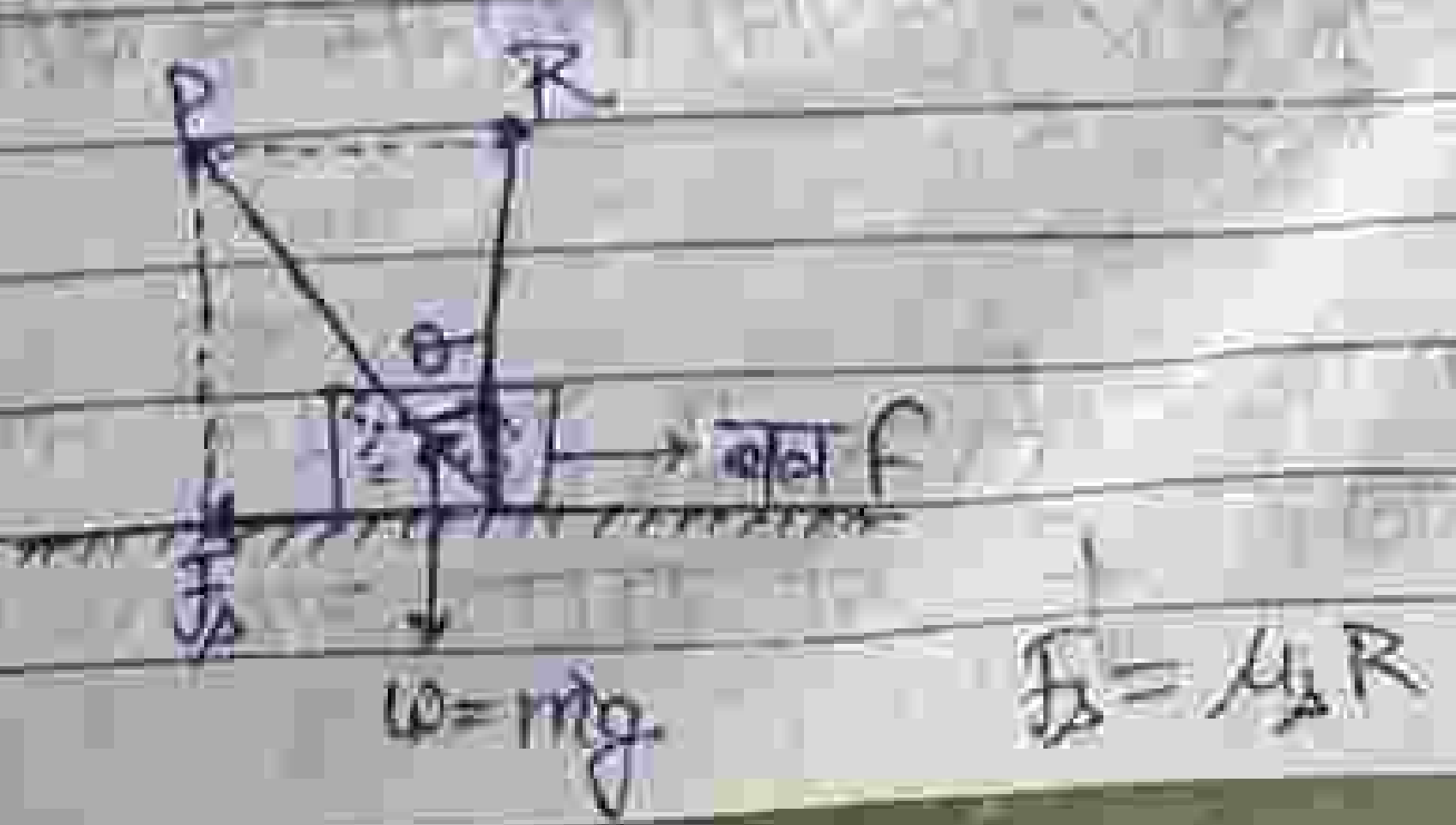
यह घर्षण बल लगाये गये बल P को सन्तुलित करता है। अर्थात्  $f_s$  को ही स्थैतिक घर्षण बल कहते हैं।

(ii) सम्पर्क तलों के लम्बवत् घटक, (गुट्टे पर लगने वाली अभिलम्ब प्रति क्रिया (R)) गुट्टे के भार  $W = mg$  को सन्तुलित करती है।

therefore  $\therefore R = W = mg$

सीमित घर्षण यदि गुट्टे पर आरोपित बल P को थोड़ा बिनाबूझ जितीला सा बढ़ा दें तो भी गुट्टा चलना प्रारम्भ नहीं करता अर्थात् बल P का घटक  $f_s$  आरोपित बल (F) का विरोध करता है।

परन्तु एक सीमा के बाद  $f_s$  का मान नहीं बढ़ता इस समय गुट्टा गोल पर चलने वाला ही होता है। स्थैतिक घर्षण बल  $f_s$  के इस अधिकतम मान को ही सीमित घर्षण बल कहते हैं।



अर्थात्  
 स्थैतिक घर्षण बल  $f_s$  का वह अधिकतम मान जिस पर  
 बॉल गुट्का चलना प्रारम्भ कर देता है। सीमान्त घर्षण  
 बल कहते हैं। इसे  $f_s$  से प्रदर्शित करते हैं।

→ विशेष नोट - सीमान्त घर्षण बल  $f_s$  गति प्रारम्भ करने के लिए  
 आवश्यक न्यूनतम बल के बराबर होता है।

→ सीमान्त घर्षण के नियम -

सीमान्त घर्षण के निम्नलिखित नियम हैं।

1. सीमान्त घर्षण बल का परिमाण सम्पर्क तलों की प्रकृति  
 एवं खुददरेपन अथवा चिकनेपन पर निर्भर करता है।  
 यह तलों के आकार एवं क्षेत्रफलों पर निर्भर नहीं करता है।

2. दिये गये तलों के लिए घर्षण बल सम्पर्क क्षेत्र तलों के  
 स्पर्शरेखीय एवं समांतर होता है। इस घर्षण बल की  
 दिशा उस दिशा के विपरीत होती है। जिसमें गुट्का चलने  
 के लिए प्रेरित होता है।

3. दिये गये तलों के लिए -

"सीमान्त घर्षण बल ( $f_s$ ), अमिलम्ब प्रतिक्रिया ( $R$ ) के  
 अनुक्रमानुपाती होता है। अतः

$$f_s \propto R$$

या

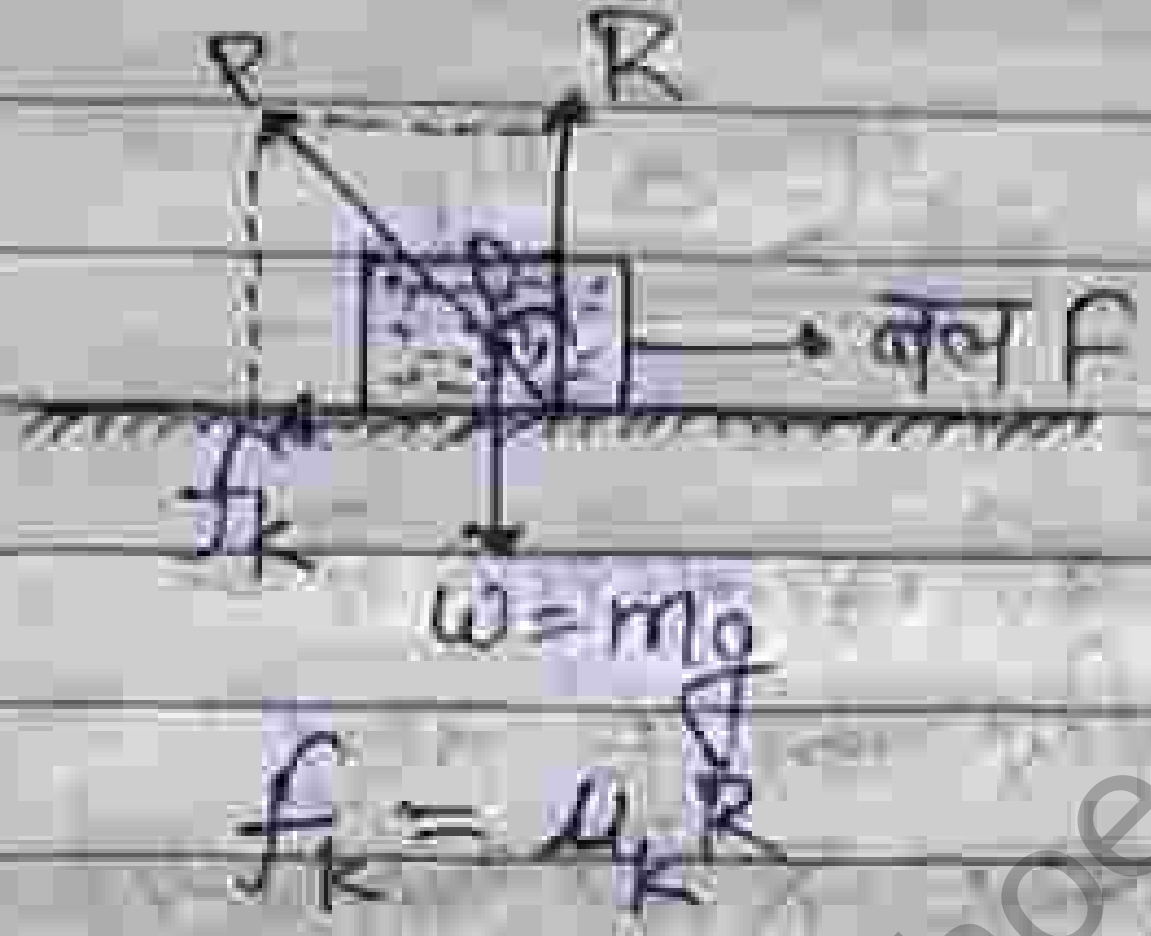
$$f_s = \mu_s R$$

जहाँ  $\mu_s$  अनुक्रमानुपाती नियतांक है इसे स्थैतिक घर्षण  
 गुणांक कहते हैं।

→ विशेष नोट -  $f_s = \mu_s R$  सूत्र तभी लागू होता है।  
 जबकि  $f_s$  का मान अधिकतम है।



→ गतिक घर्षण बल  $\rightarrow$  जब एक बार गति प्रारम्भ हो जाती है, दुर्न्यायिक मिलजुल फोर्स  $\rightarrow$  ती तलों के बीच लगने वाला घर्षण बल घट जाता है। तब समसमान गति बनाये रखने के लिए कुछ कम बल ( $F$ ) की आवश्यकता होती है।



अर्थात् "जिसी वस्तु की गति के दौरान तलों के बीच कम्पे विले घर्षण बल को गतिक घर्षण बल कहते हैं इसे  $f_k$  से प्रदर्शित करते हैं।"

इस प्रकार जब गुटका गतिमान होता है तो गतिक घर्षण बल  $f_k = \mu_k R$   
 जहाँ  $\mu_k$  = गतिक घर्षण गुणांक

→ विशेष नोट  $\rightarrow$  (नि-obj, Short)  
 1. गतिक घर्षण बल  $f_k$  का मान, सीमांत घर्षण बल ( $f_s$ ) से कम होता है।  
 अर्थात्  $f_k < f_s$

2. गतिक घर्षण गुणांक  $\mu_k$  का मान स्थैतिक घर्षण गुणांक  $\mu_s$  से कम होता है।

$$\therefore f_s = \mu_s R$$

$$f_k = \mu_k R$$

$$\therefore \frac{f_s}{f_k} = \frac{\mu_s R}{\mu_k R} \Rightarrow \frac{f_s}{f_k} = \frac{\mu_s}{\mu_k}$$

$$\therefore f_s > f_k$$

$$\therefore \frac{f_s}{f_k} > 1 \Rightarrow \frac{\mu_s}{\mu_k} > 1$$

या

$$f_s > f_k$$

$$\underline{\underline{\mu_s = \mu_k}}$$

V.V.3

→ घर्षण कोण :-

सीमांत घर्षण की अवस्था में -

सीमांत घर्षण बल  $f_s$  तथा अभिलम्ब प्रतिक्रिया  $R$  का परिणामी

$P$ , अभिलम्ब प्रतिक्रिया  $R$  के साथ

जो कोण बनाता है उसे घर्षण

कोण कहते हैं। इसे  $\theta_s$  से

सूचित करते हैं।

अनुसार -

$$\tan \theta = \frac{\text{लम्ब}}{\text{आधार}}$$

$$\tan \theta_s = \frac{f_s}{R}$$

$$\therefore f_s = R \tan \theta_s \quad \text{--- (1)}$$

परन्तु

$$f_s = \mu_s R \quad \text{--- (2)}$$

समीकरण (1) व (2) की तुलना करने पर

$$\mu_s R = R \tan \theta_s$$

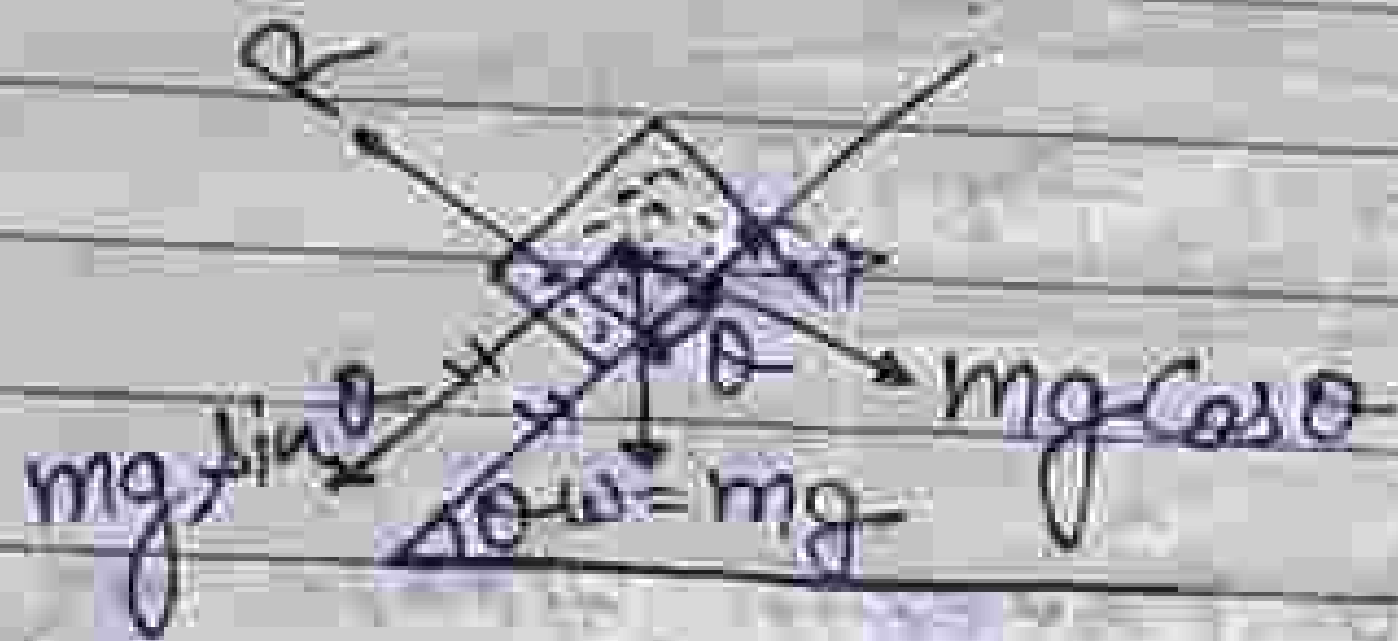
$$\therefore \boxed{\mu_s = \tan \theta_s}$$

where

$\mu_s =$  स्थैतिक घर्षण गुणांक

अतः स्थैतिक घर्षण गुणांक  $\mu_s$ , घर्षण कोण  $\theta_s$  की स्पर्शिका के बराबर होता है।

→ आमतौर पर घर्षण शून्य गुटका आमतौर पर क्षैतिज से  $\theta$  कोण बना रहा है।



गुटके का भार  $W = mg$  (ऊर्ध्वदिश नीचे की ओर)  
 अभिलम्ब प्रतिक्रिया  $R$  (ऊर्ध्वदिश ऊपर की ओर)  
 भार  $W = mg$  को दो घटकों में विभाजित करते हैं

- (i) समान्तर घटक  $= mg \sin \theta$
- (ii) लम्बवत घटक  $= mg \cos \theta$

आरोपित स्थैतिक घर्षण बल  $f_s$  गुटके को फिसलने से रोकने के लिए है।

∴ गुटका संतुलन में है अतः

$$f_s - mg \sin \theta = 0 \quad \text{--- (1)}$$

$$R - mg \cos \theta = 0 \quad \text{--- (2)}$$

सीमान्त घर्षण ( $f_s$ ) की स्थिति में समान कोण  $\theta_s$  होती है।

$$f_s = \mu_s R$$

समीकरण (1) से -

$$\mu_s R - mg \sin \theta_s = 0$$

या

$$\mu_s R = mg \sin \theta_s \quad \text{--- (3)}$$

तथा

$$R = mg \cos \theta_s \quad \text{--- (4)}$$



समीकरण (3) में (4) का भाग दीजिए

$$\frac{\mu_s R}{R} = \frac{mg \sin \theta_s}{mg \cos \theta_s}$$

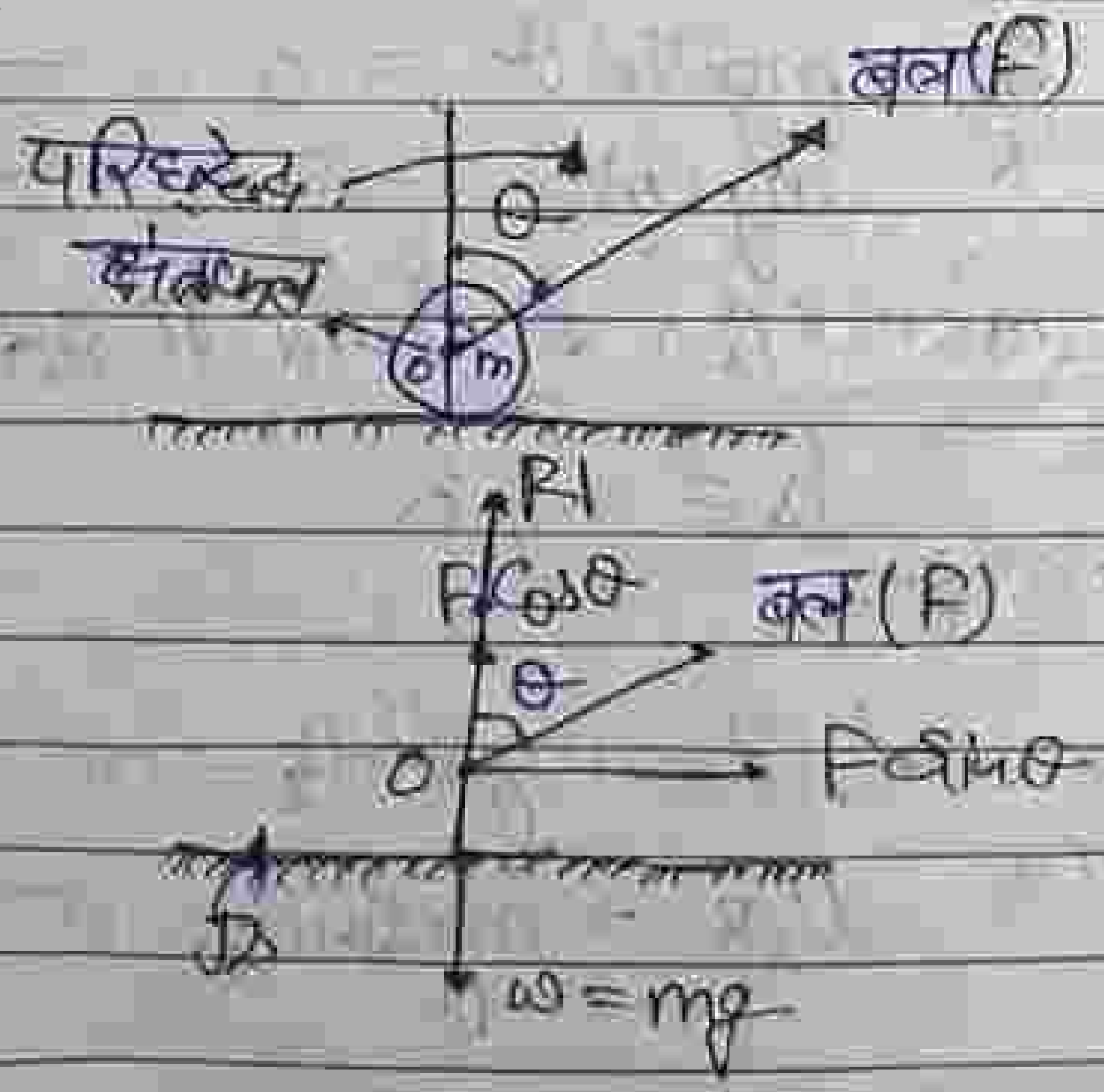
$$\therefore \boxed{\mu_s = \tan \theta_s}$$

→ विशेष नोट → गुटका सड़ बार फिरबता प्रारम्भ कर दे (for N.C.M.) से कुछ कम झुकाव कोण  $\theta_k$  पर ही गुटका गतिशील बना रहता है अतः  $\mu_k = \tan \theta_k$

(रोलर)

$$\boxed{\mu_k = \tan \theta_k}$$

→ लाने इ वर की खींचने तथा डकलने की क्रिया →  
 → खींचने की क्रिया → माता  $m$  द्रव्यमान का रोलर की धुरी  $O$  पर  $F$  परिमाण का बल अक्षीय दूर से  $\theta$  कोण बनाकर लगाया जाता है



रोलर पर ऊर्ध्व दिशा में लगे बलों के सन्तुलन के लिए.

$$R_1 + F \cos \theta - mg = 0$$

या

$$R_1 + F \cos \theta = mg$$

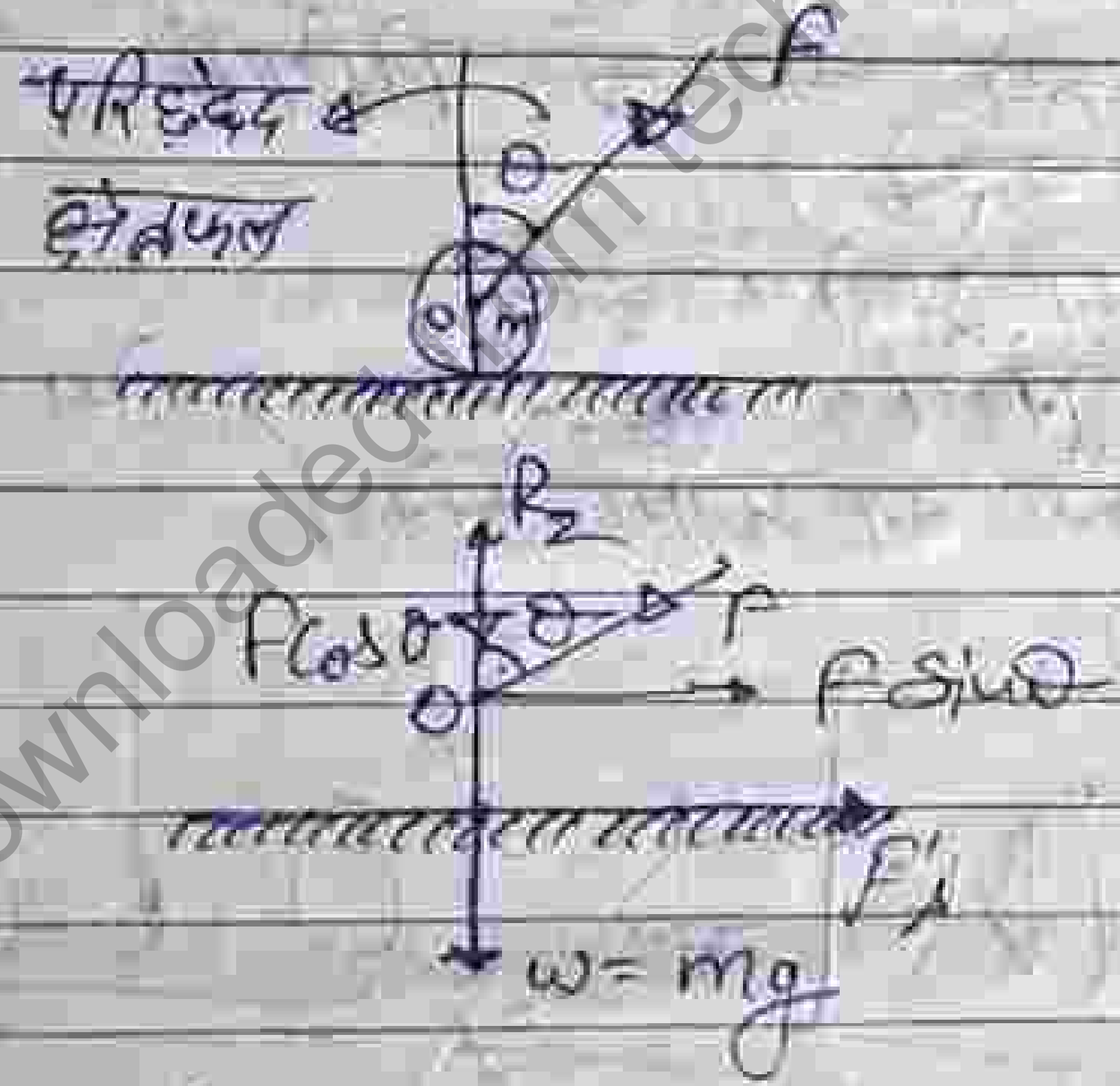
या

$$R_1 = mg - F \cos \theta$$

स्थैतिक घर्षण गुणांक  $\mu_s$  हो तो  $f_s = \mu_s R_1$

$$\therefore f_s = \mu_s (mg - F \cos \theta) \quad \text{--- (1)}$$

⇒ छेदने की क्रिया  $\rightarrow$  मत्ता रोलर को नि:परिमाण के बल से ऊर्ध्व से  $\theta$  कोण काफ़र डकेला जाता है।



रोलर पर ऊर्ध्व दिशा में बलों के सन्तुलन के लिए

$$R_2 + F \cos \theta - mg = 0$$

या

$$R_2 = mg + F \cos \theta$$

तथा

स्थैतिक घर्षण बल

$$\therefore f_s = \mu_s R_2$$



$$\therefore f'_s = \mu_s (mg + f \cos \theta) \quad \text{--- (2)}$$

समीकरण (1) व (2) से स्पष्ट है।

$$f_s = f'_s$$

या

$$f_s > f'_s$$

अतः बॉल मूवर को खींचना आसान है तथा  
देकेलना कठिन है।

→ घर्षण को कम करने की विधियाँ →  
अधिक घर्षण सदैव हानिकारक होता है इसकी  
कम करने की कुछ विधियाँ निम्नलिखित हैं,

1. पॉलिश करके।
2. स्लैड का प्रयोग करके।
3. उपयुक्त विभिन्न सामग्री का प्रयोग करके। (lubricants)
4. बॉल बेंरिंग का प्रयोग करके।

Points to be Noted

$$1. \quad R = W = mg$$

$$2. \quad f_s = \mu_s R$$

$$3. \quad f_k = \mu_k R$$

$$4. \mu_s = \tan \theta_s$$

$$5. \mu_k = \tan \theta_k$$

$$6. f_k < f_s$$

$$7. \mu_s < \mu_k$$

$$8. f_s = f'_s$$

$$9. f_s = \mu_s (mg - F \cos \theta)$$

$$10. f_s = \mu_s (mg + F \cos \theta)$$

अष्टम  
सर्वा

Page = 10

प्रश्न: खुदरे पृष्ठ पर रखे  $40\text{kg}$  के गुट्टे को ठीक चक्करों के लिए  $196$  न्यूटन बल की आवश्यकता पड़ती है।  
जात कीजिए।

(I) घर्षण गुणांक ( $\mu_s$ )

(II) घर्षण कोण ( $\theta_s$ )

दिया है  $g = 9.8$  न्यूटन /  $\text{kg}$

हल:

$196$  न्यूटन का बल सीमान्त घर्षण बल ( $f_s$ ) के बराबर है।

(I) We know that

$$f_s = \mu_s R$$

या

$$\mu_s = \frac{f_s}{R} \quad \text{--- (1)}$$

अनुसार

$$f_s = 196 \text{ न्यूटन}$$

$$m = 40 \text{ kg}$$

$$g = 9.8 \text{ N/kg}$$

समीकरण (1) से

$$\mu_s = \frac{196}{mg}$$

$$\mu_s = \frac{196 \cdot 49}{9.8 \times 40}$$

$$\mu_s = \frac{196}{20}$$

$$\mu_s = \frac{1}{2}$$



(II)

We know that

घर्षण कोण  $\theta_s$ -

$$\tan \theta_s = \mu_s$$

$$\tan \theta_s = 0.5$$

$$\theta_s = \tan^{-1} 0.5$$

प्रश्न 2

माना

3.0 kg द्रव्यमान का एक गुट्टा फर्स पर रखा है। स्थैतिक घर्षण गुणांक 0.4 है। 3.0 न्यूटन का बल F गुट्टे पर लगाया है। गुट्टे तथा फर्स के बीच घर्षण बल प्राप्त कीजिए।

हल

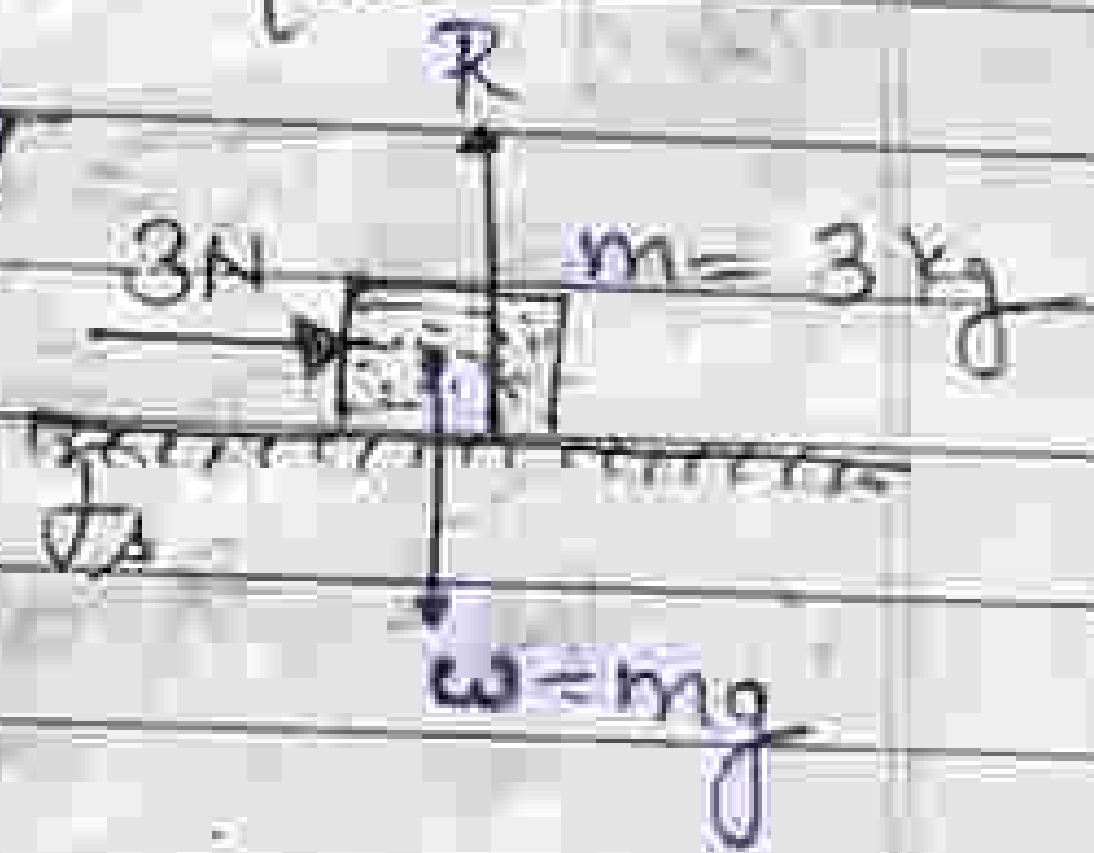
$$g = 10 \text{ m/sec}^2$$

माना गुट्टे पर फर्स की अभिलम्ब प्रतिरिया R है।

∴ स्थैतिक घर्षण बल  $f_s = \mu_s R$

परन्तु  $R = W = mg$

∴  $f_s = \mu_s mg$  — (1)



प्रश्नानुसार

$$\mu_s = 0.4$$

$$m = 3 \text{ kg}$$

$$g = 10 \text{ m/sec}^2$$

Egn (1)-

$$f_s = 0.4 \times 3.0 \times 10$$

$$f_s = 4 \times 3$$

$$f_s = 12 \text{ न्यूटन}$$

गुठ्ठे पर आरोपित बल  $f = 3.0 \text{ N}$   
 उत्तर:

बल  $f$  के कारण गुठ्ठा नहीं चलता है अतः  
 घर्षण बल सदैव आरोपित बल के बराबर रहता है।  
 $\therefore$  घर्षण बल  $f_k = 3.0 \text{ N}$

प्रश्न: एक गुठ्ठे को खुरदरे क्षैतिज तल पर  $20 \text{ m/sec}$  से चलाया जाता है यदि गुठ्ठे व तल के बीच गतिक घर्षण गुणांक  $0.40$  हो तो गुठ्ठा मिलने समय परिवार तथा गिरती दूर ज्वलकर रुक जायेगा

हल: गतिक घर्षण बल  $f_k = \mu_k R$   
 परन्तु

$$R = mg$$

$$\therefore f_k = \mu_k mg$$

$$\therefore \text{गुठ्ठे में उत्पन्न विरण } a = \frac{f}{m} = \frac{f_k}{m} = \frac{\mu_k mg}{m}$$

$$a = \mu_k g$$

प्रश्नानुसार

$$\mu_k = 0.4$$

$$g = 10 \text{ m/sec}^2$$

$$\therefore a = 0.4 \times 10$$

$$a = 4 \text{ m/sec}^2$$

प्रश्नानुसार

$$u = 20 \text{ m/sec}$$

$$a = -4 \text{ m/sec}^2$$

$$v = 0$$

(मंद)

$$\therefore v = u + at \quad \text{के अनुसार}$$

$$0 = 20 + (-4 \times t)$$

$$\Rightarrow 20 - 4t = 0$$

$$4t = 20$$

$$t = 5 \text{ सेकण्ड}$$

पुनः

गति समीकरण से -

$$v^2 = u^2 + 2as$$

$$0^2 = (20)^2 + 2 \times (-4 \times s)$$

$$0^2 = 400 - 8s$$

$$8s = 400$$

$$s = 50 \text{ मी}$$

V.V.9

प्रश्न 4- 10 kg का एक गुटका खुरदरे क्षैतिज तल पर रखा है। इसे क्षैतिज से  $30^\circ$  कोण पर 120 न्यूटन का बल लगाकर खींचा जाता है यदि गुटके व तल के बीच घर्षण गुणांक 0.20 है तो गुटके का त्वरण ज्ञात करो।

$$g = 10 \text{ m/sec}^2 \quad \text{अग्रिम प्रतिदिशा बल}$$

हल के

गुटके पर लम्बवत नेटबल 0 है।

अतः

$$R + F \sin 30^\circ - mg = 0$$

$$\therefore R + F \sin 30^\circ = mg$$

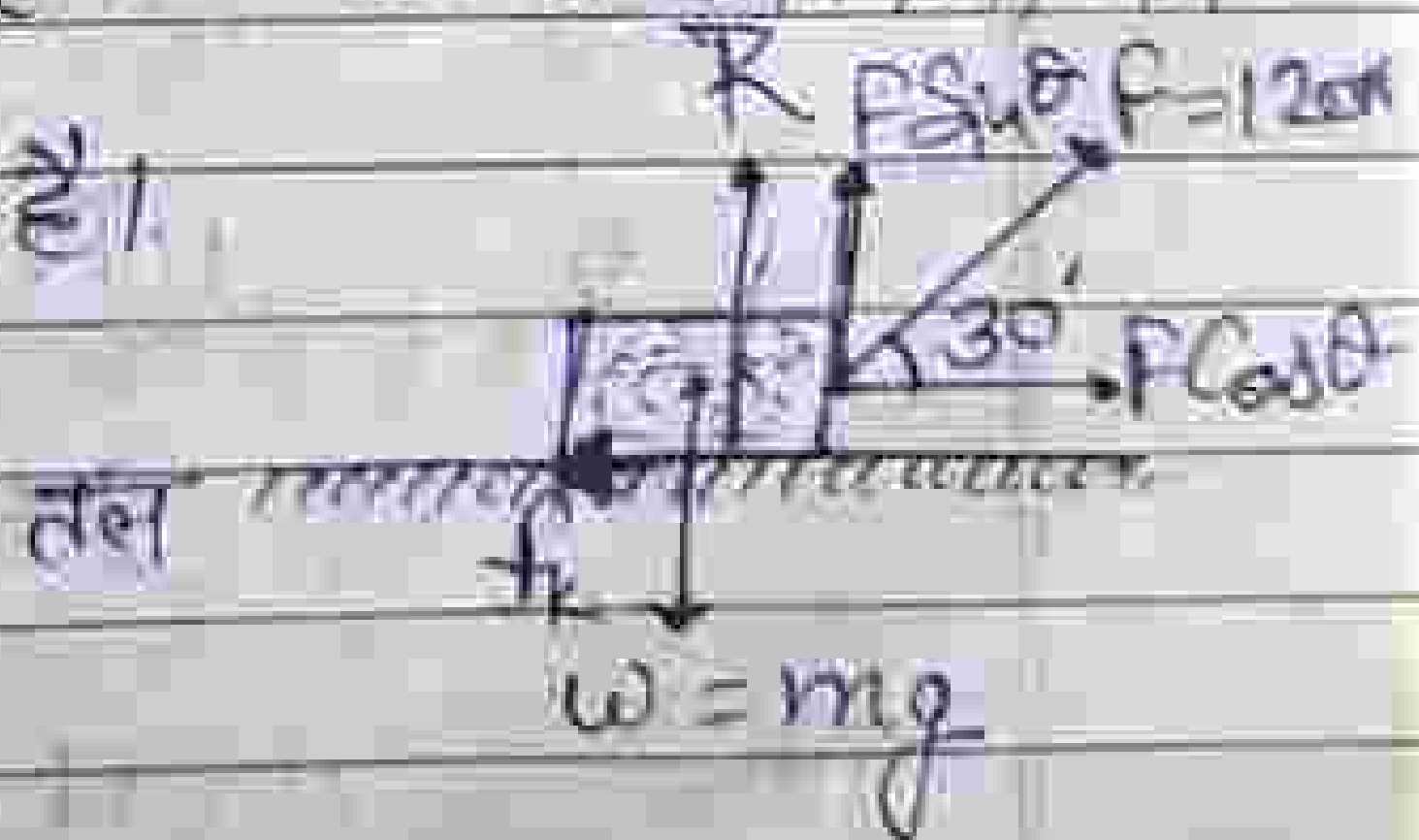
$$\text{या } R = mg - F \sin 30^\circ \quad \text{--- (1)}$$

प्रश्नानुसार

$$m = 10 \text{ kg}$$

$$g = 10 \text{ m/sec}^2$$

$$F = 120 \text{ N}$$





समीकरण से -

$$R = 10 \times 10 - 120 \times \frac{1}{2}$$

$$R = 100 - 60$$

$$R = 40 \text{ न्यूटन}$$

$\therefore$  गतिक घर्षण बल  $f_k = \mu_k R$

$$f_k = 0.20 \times 40$$

$$f_k = 2.0 \times 4$$

$$f_k = 8.0 \text{ Newton}$$

माना गुठे में उत्पन्न चरण  $a$  होनी  
है तब गति के लिए -

$$\Rightarrow F \cos 30^\circ - f_k = ma \quad (f_k = ma)$$

$$\Rightarrow 120 \times \frac{\sqrt{3}}{2} - 8.0 = 10a$$

$$\Rightarrow 60\sqrt{3} - 8.0 = 10a$$

$$60 \times 1.732 - 8.0 = 10a$$

$$\Rightarrow 103.92 - 8 = 10a$$

$$95.92 = 10a$$

$$a = \frac{95.92}{10}$$

$$a = 9.592 \text{ m/sec}^2$$

प्रश्न 5.  $2 \text{ kg}$  का एक गुट्टा क्षैतिज पृष्ठ पर विरामावस्था में रखा है। गुट्टे पर एक क्षैतिज बल  $F$  धीरे-धीरे बढ़ाया जाता है जब  $F = 8 \text{ न्यूटन}$  हो जाता है तो गुट्टा चलने लगता है। एक बार गति प्रारम्भ होने के पश्चात् गुट्टा  $F = 7 \text{ न्यूटन}$  बल से ही एकसमान चाल से चलता रहता है। ज्ञात कीजिए

- (i) स्थैतिक तथा गतिक घर्षण गुणांक।
- (ii) जब क्षैतिज बल  $F = 5 \text{ न्यूटन}$  है तब गुट्टे पर लगा स्थैतिक घर्षण बल।
- (iii) एकसमान गतिमान गुट्टे पर आरोपित बल  $F$  को बढ़ाकर पुनः  $8 \text{ न्यूटन}$  कर दें तो गुट्टे का बलगत

$$g = 10 \text{ m/sec}^2$$

- (i) बल  $F = 8 \text{ न्यूटन}$   
 $\therefore$  सीमांत घर्षण बल  $f_s = 8 \text{ न्यूटन}$   
 द्रव्यमान  $m = 2 \text{ kg}$   
 $g = 10 \text{ m/sec}^2$

$$\therefore \text{अभिलम्भ प्रतिक्रिया } R = W = mg$$

$$R = 2 \times 10$$

$$R = 20 \text{ न्यूटन}$$

$$\text{स्थैतिक घर्षण बल } f_s = \mu_s R$$

$$\therefore \mu_s = \frac{f_s}{R}$$

$$\mu_s = \frac{8}{20}$$

$$\mu_s = 0.4$$

$$\text{गतिक घर्षण बल } f_k = \mu_k R$$

$$\therefore f_k = 7 \text{ न्यूटन}$$

$$R = 20 \text{ न्यूटन}$$

$$\therefore f_k = \mu_k R$$

$$\therefore \mu_k = \frac{f_k}{R}$$

$$\mu_k = \frac{7}{20}$$

$$\mu_k = 0.35$$

II

गुट्टे पर लगा बल  $F = 5$  न्यूटन  
अतः गुट्टा विरामावस्था में रह रहा है।

$\therefore$  स्थैतिक घर्षण बल  $f_s = F = 5$  Newton.

III

गतिमान गुट्टे पर घर्षण बल  $f_s = 7$  Newton.  
बल  $F$  को  $8$  न्यूटन करने पर

$$\text{नेट बल } F = 8 - 7$$

$$F = 1 \text{ न्यूटन}$$

$$m = 2 \text{ kg}$$

$$\therefore \text{त्वरण } a = \frac{F}{m}$$

$$a = \frac{1}{2}$$

$$a = 0.5 \text{ m/sec}^2$$

प्रश्न 36 एक मोटर कार सीधी क्षैतिज सड़क पर पृथक् से चल रही है यदि सड़क तथा टायरों के बीच स्थैतिक घर्षण गुणांक  $\mu_s$  ही हो वह  $5 \text{ km}$  से  $5 \text{ km}$  दूरी क्या होगी जिसमें मोटर कार भी रोक जा सके।  
हल में माता उपलब्ध गति  $v$  तथा रोक जाने वाली दूरी  $S$  है।  
अतः

$$v^2 = u^2 + 2aS \text{ के-}$$

$$v = 0$$

$$S = v_0$$

$$a = -g$$



$$\therefore 0 = \cancel{4}v^2 + 2x - axv^2$$

$$0 = v^2 - 2av^2$$

$$v^2 = 2av^2$$

$$v^2 = \frac{v^2}{2a} \quad \text{--- (1)}$$

We know that -

$$F = ma \text{ से -}$$

$$f_s = ma \quad \text{--- (2)}$$

$$\therefore f_s = f$$

तथा

$$f_s = \mu_s R$$

$$\therefore R = mg$$

$$\therefore f_s = \mu_s mg \quad \text{--- (3)}$$

समीकरण (1) व (2) की तुलना करने पर -

$$ma = \mu_s mg$$

$$a = \mu_s g$$

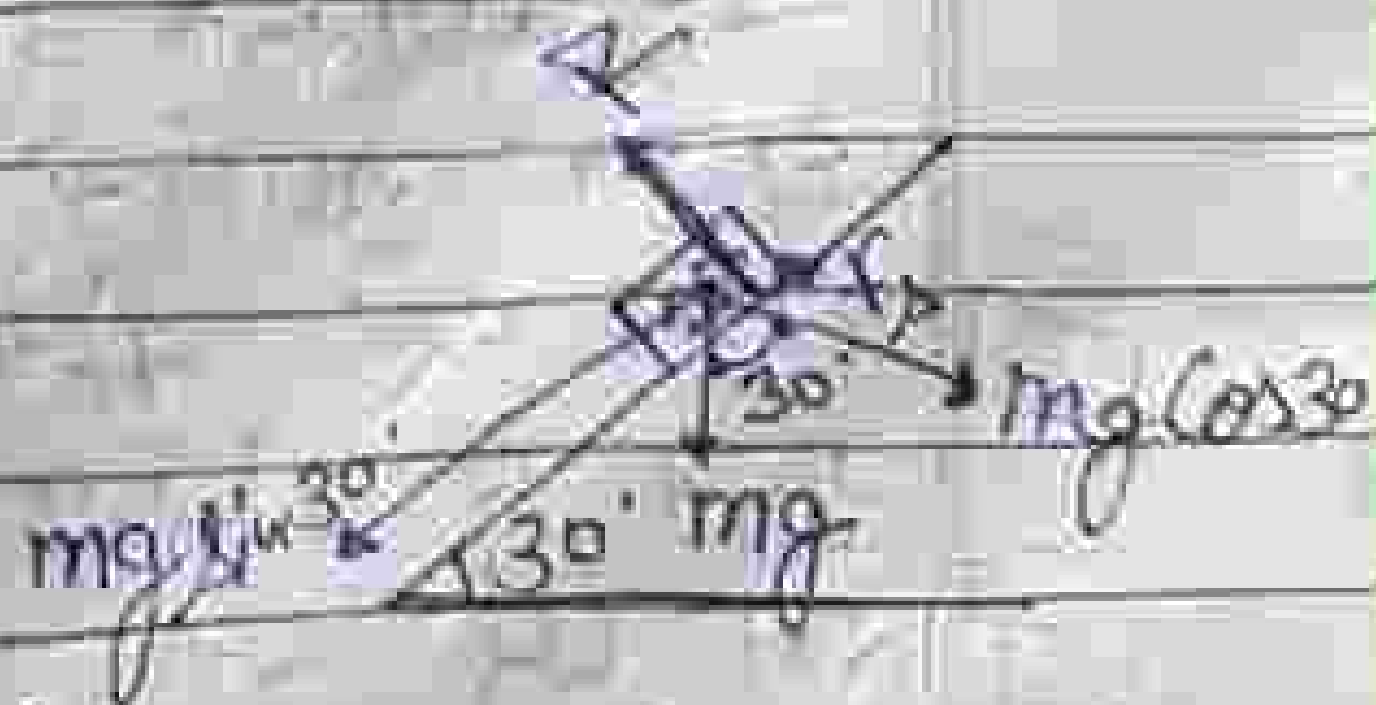
a का मान समीकरण (1) में रखने पर -

$$v^2 = \frac{v^2}{\mu_s g}$$

प्रश्न का गुटका क्षैतिज से  $30^\circ$  के कोण पर झुके स्थिति में तल पर उपस्थित है। गुटके तथा तल के बीच घर्षण गुणांक 0.6 है। गुटके पर लगने वाला चरम बल क्या होगा?

∴ गुटका स्थिर है।  
∴ स्थैतिक घर्षण  $f_s = \mu_s R$

चिन्तन  $R =$   
अभिलम्ब प्रतिबल  $R = mg \cos 30^\circ$



$$\therefore f_s = \mu_s mg \cos 30^\circ$$

दिया है:

$$\mu_s = 0.6$$

$$m = 2 \text{ kg}$$

$$g = 9.8 \text{ m/sec}^2$$

$$\therefore f_s = 0.6 \times 2 \times 9.8 \times \frac{\sqrt{3}}{2}$$

$$f_s = 0.6 \times 9.8 \times 1.732 \text{ न्यूटन}$$

$$f_s = 10.184 \text{ न्यूटन}$$

$$f_s = 10.2 \text{ न्यूटन}$$

- नत समतल के अनुदिश नीचे की ओर क्रियाशील बल का क्षैतिज घटक =  $mg \sin 30^\circ$

$$= 2 \times 9.8 \times \frac{1}{2}$$

$$= 9.8 \text{ न्यूटन}$$

क्षैतिज घटक का मान सीमान्त घर्षण बल  $f_s$  से (10.2) कम है अतः गुटके पर आरोपित बल (9.8N) है।

$\therefore$  घर्षण बल का मान भी 9.8 Newton ही ले

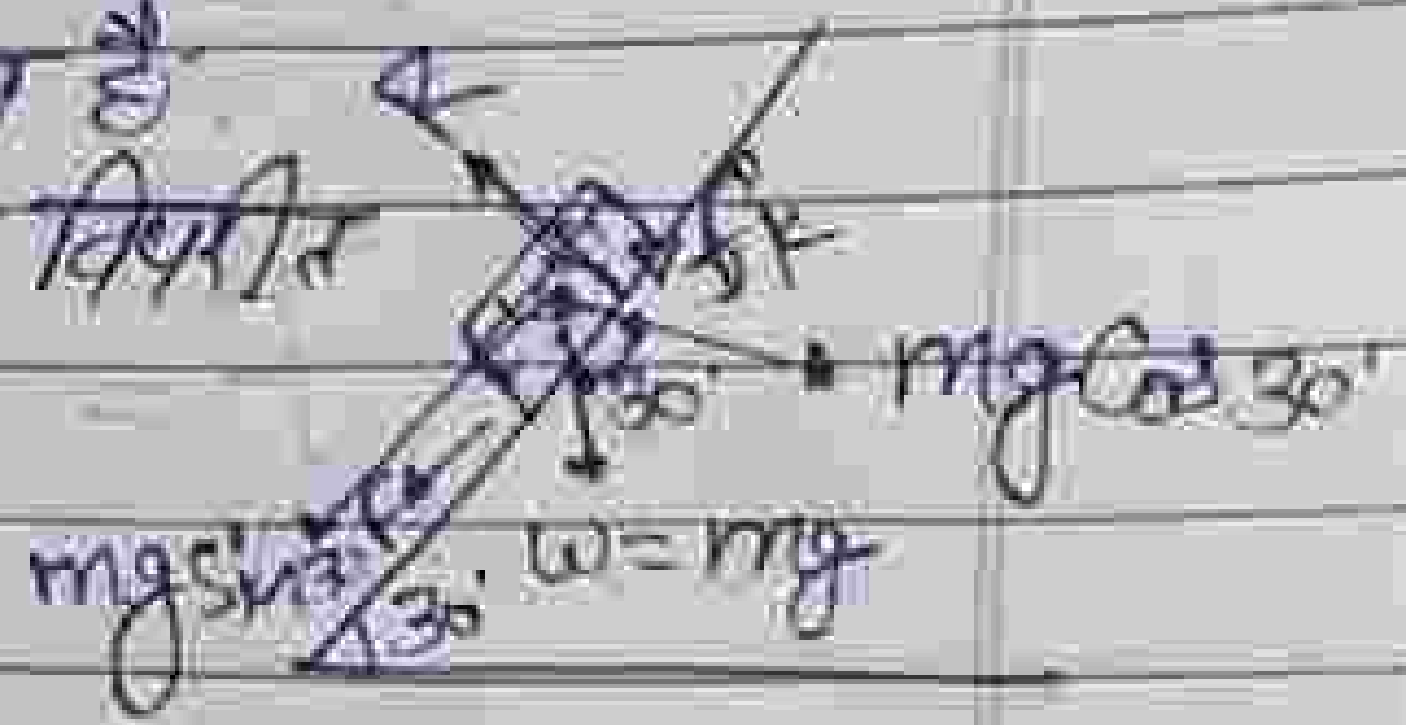
प्रश्न 8. 2kg का एक गुटका क्षैतिज से  $30^\circ$  के कोण पर नत समतल पर रखा है। गुटके व तल के बीच घर्षण गुणांक  $\mu_s$  है।

- (I) तल पर नीचे की ओर बिना त्वरण गति के लिए गुटके पर कितना बल लगाया होगा।
- (II) तल पर ऊपर की ओर उत्पन्न (अंदर) गति के लिए कितना बल लगाया पड़ेगा।

①

जब गुब्बारा नीचे की ओर चलता है तो गतिक दबाव बल  $f_k$  गति के विपरीत दिशा में है। और  $w = mg$

अतः  $w = mg$  के दो भाग



- ① लम्बवत घटक =  $mg \cos 30^\circ$   
 ② समांतर घटक =  $mg \sin 30^\circ$

समांतर दिशा में गति के लिए -

$$f + mg \sin 30^\circ - f_k = 0$$

R व  $mg \cos 30^\circ$  प्रभावहीन हैं।

गतिक दबाव बल  $f_k = \mu_k R = \mu_k mg \cos 30^\circ$

$$\therefore f = f_k - mg \sin 30^\circ$$

$$f = \mu_k mg \cos 30^\circ - mg \sin 30^\circ$$

$$f = mg (\mu_k \cos 30^\circ - \sin 30^\circ)$$

$$f = mg (\mu_k \cos 30^\circ - \sin 30^\circ)$$

$$= 2 \times 9.8 \left( \frac{\sqrt{3}}{2} \times \frac{\sqrt{3}}{2} - \frac{1}{2} \right)$$

$$f = 19.6 \times \left( \frac{3}{2} - \frac{1}{2} \right)$$

$$f = 19.6 \times \left( \frac{3}{2} - \frac{1}{2} \right)$$

$$f = 19.6 \times \frac{1}{2} \left( \frac{3}{\sqrt{2}} - 1 \right)$$

$$f = 9.8 \times \left( \frac{3 - \sqrt{2}}{\sqrt{2}} \right)$$

$$f = 9.8 \times \frac{3 - 1.414}{1.414}$$



$$f = \frac{9.8 \times 1.586}{1.414}$$

$$f = \frac{15.5428}{1.414}$$

$$f = 10.992 \text{ न्यूटन}$$

(II)

घर्षण बल ( $f_k$ ) नीचे की ओर दिष्ट है &  
प्रश्नानुसार-  
चित्रानुसार-

$$F = ma \text{ से}$$

$$F - mg \sin 30^\circ - f_k = 0$$

परन्तु गतिक घर्षण बल  $f_k = \mu_k R$   
है

$$R = mg \cos 30^\circ$$

$$f_k = \mu_k mg \cos 30^\circ$$

$$\therefore F - mg \sin 30^\circ - \mu_k mg \cos 30^\circ = 0 \text{ गुण}$$

$$F = mg \sin 30^\circ + \mu_k mg \cos 30^\circ$$

$$F = mg (\sin 30^\circ + \mu_k \cos 30^\circ)$$

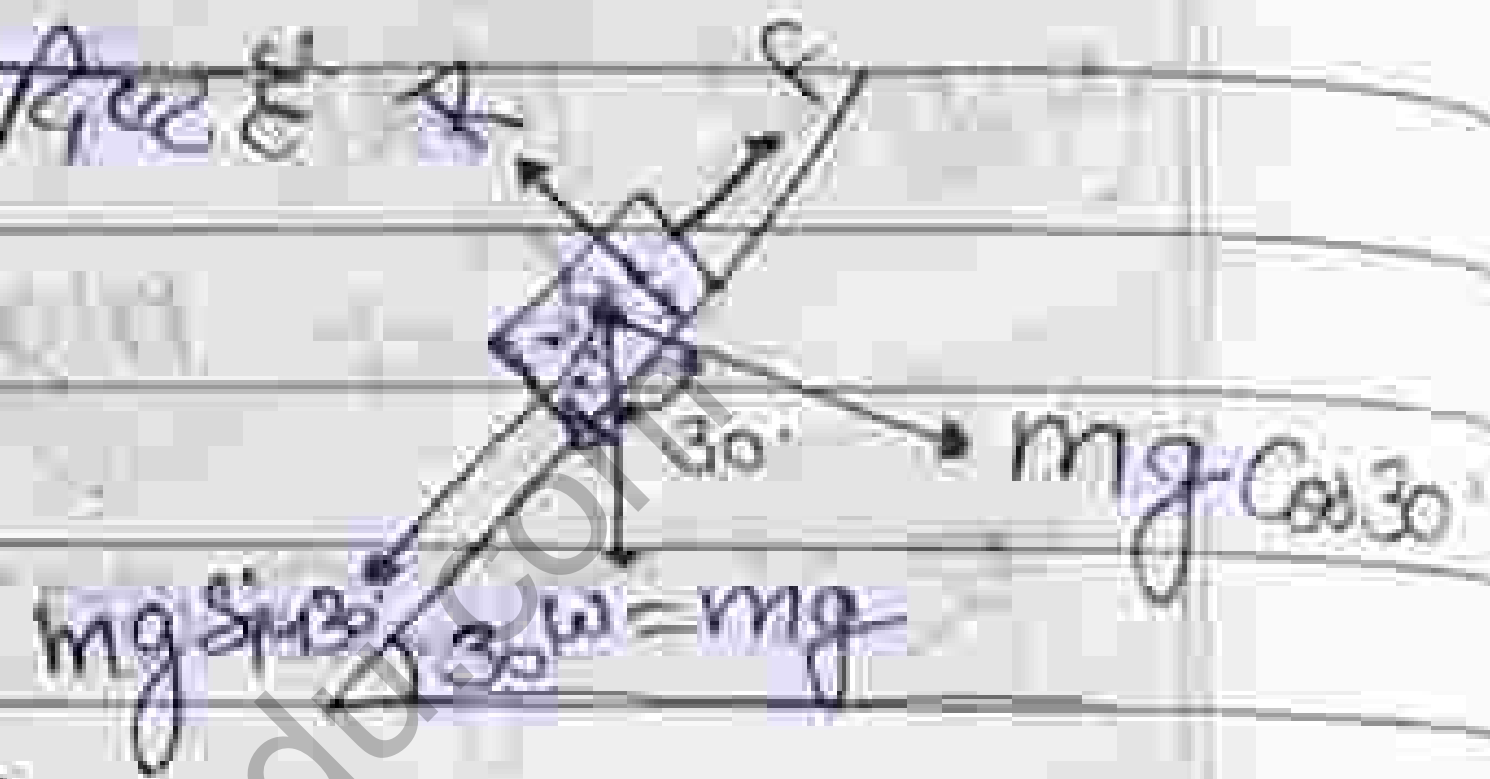
$$\therefore F = 9.8 \times 2 \left( \frac{1}{2} + \sqrt{\frac{3}{2}} \times \frac{\sqrt{3}}{2} \right)$$

$$F = 19.6 \left( \frac{1}{2} + \frac{3}{2\sqrt{3}} \right)$$

$$F = 19.6 \times \frac{1}{2} \left( 1 + \frac{3}{\sqrt{3}} \right)$$

$$F = 9.8 \left( 1 + \frac{3}{1.414} \right)$$

$$F = 9.8 \left( \frac{1.414 + 3}{1.414} \right)$$



$$F = \frac{9.8 \times 4.414}{1.414}$$

$$F = \frac{9.8 \times 4.414}{1.414}$$

$$F = 9.8 \times 3.1216$$

$$F_2 = 30.592$$

$$F = 30.6 \text{ मूल}$$

प्रश्न 9. सौंन अधिकतम है? स्थैतिक घर्षण, सीमान्त घर्षण तथा गतिक घर्षण।

प्रश्न 10. किसी तल पर रखे पिण्ड का भार दोगुना करने पर घर्षण बल तथा घर्षण गुणांक में क्या परिवर्तन होगा।

प्रश्न 11. दो सम्पर्क तलों के बीच घर्षण गुणांक  $\frac{1}{3}$  है उनके बीच घर्षण कोण क्या है।

प्रश्न 12. दो सम्पर्क तलों के बीच घर्षण कोण  $60^\circ$  है घर्षण गुणांक कितना होगा।

प्रश्न 13. क्या हम घर्षणहीन शैलित तल से बूझ सकते हैं?

उत्तर 13. घर्षण हीन शैलित तल पर अभिसम्ब प्रतिक्रियाएँ (R) प्रदान नहीं करता है। अर्थात्: स्थाना संभव नहीं।

प्रश्न 14. एक पिण्ड सड़क  $10 \text{ m/sec}$  की गति से बिससता हुआ  $50 \text{ m}$  की दूरी तय करने पर विराम अवस्था में जाता है घर्षण गुणांक (μ) ज्ञात कीजिए।

$$\mu = 10 \text{ m/sec}^2$$

$$\text{Ans: } 0.1$$

प्रश्न 15. एक कार सीधी सड़क पर  $20 \text{ m/sec}$  की गति से जा रही है सड़क और टायरों के बीच घर्षण गुणांक  $0.4$  है। वह न्यूनतम सड़क की दूरी इसी गति की गति जिसमें कार रुक जायेगी।

$$\mu = 10 \text{ m/sec}^2$$

प्रश्न 16. एक कार  $0.05 \text{ km}$  लम्बे पुल के एक सिरे से विराम से चलना प्रारम्भ करती है। टायर व सड़क के बीच घर्षण गुणांक  $0.2$  है। दिखाइए कि पुल को  $10 \text{ sec}$  से कम समय में पार नहीं किया जा सकता।  $\mu = 10 \text{ m/sec}^2$